

प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन

MANAGEMENT OF NATURAL RESOURCES

1. प्राकृतिक संसाधन से आप क्या समझते हैं?

उत्तर—वे प्राकृतिक साधन जिनका उपयोग मनुष्य अपने भोजन और विकास के लिए करता है। उसे प्राकृतिक संसाधन कहते हैं। जैसे—वायु, जल, मिट्टी, खनिज पदार्थ, ऊर्जा और ईंधन के स्रोत जैसे—पेट्रोलियम और कोयला, वन, फसले, पशु—पक्षी प्राकृतिक संसाधन हैं।

2. प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन से आप क्या समझते हैं?

उत्तर—प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और मितव्ययिता पूर्ण उपयोग ताकि पर्यावरण के विभिन्न घटकों का उपयुक्त प्रबंध किया जा सके उसे संरक्षण कहा जाता है। इसे प्रबंधन भी कहा जाता है।

पर्यावरण की संरक्षण के लिए एक सिद्धान्त प्रचलित है। जिसे 3R सिद्धान्त कहा जाता है। R= Reduce, या कम उपयोग R = Recycle या पुनः चक्रण R = Reuse या पुनः उपयोग।

3. क्योटो कहाँ है? क्योटो प्रोटोकॉल क्या है? इसके उद्देश्य क्या है?

उत्तर—क्योटो जापान का एक शहर है।

सन् 1997 ई० में क्योटो में वैश्विक उष्मीकरण के निदान के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन द्वारा पारित प्रस्ताव क्योटो प्रोटोकॉल के अनुसार 2008 से 2012 तक की अवधि में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन का स्तर 1990 के स्तर के नीचे लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इसके उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

- (1) ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन करने वाली तकनीकों को सीमित करना।
- (2) पारंपरिक ऊर्जा के उपयोग को कम करना।
- (3) इसके उपभोग के लिए सख्त नियम बनाना।

4. गंगा कार्यान्वयन परियोजना क्या है?

उत्तर—यह एक परियोजना है। जिसकी घोषणा 1986 ई० में हुई थी। इसके लिए 300 करोड़ से अधिक रूपयों का प्रबंध भी किया गया था।

इस परियोजना का उद्देश्य ऋषिकेश से कोलकाता तक गंगा को प्रदूषण मुक्त

करना था। इस योजना के अन्तर्गत बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में लघु योजनाये सम्मिलित हुई। इस योजना के फलस्वरूप ऋषिकेश, हरिद्वार, और इलाहाबाद में गंगा जल प्रदूषण में काफी सुधार हुआ है।

5. प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का उल्लेख करें?

उत्तर-संसाधनों के संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण आदि विषयों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन उल्लेखनीय हैं-

(1) **रियो अर्थ सम्मेलन-**सन् 1992 ई० में प्राकृतिक संपदाओं के संरक्षण और प्रदूषण दूर करने के लिए विकसित और विकासशील देशों द्वारा प्रतिवर्ष भारी रकम खर्च करने का प्रावधान किया गया है।

(2) **क्योटो प्रोटोकॉल-**सन् 1997 ई० में जिसमें 2008 से 2012 तक की अवधि में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन का स्तर 1990 के स्तर के नीचे लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

6. वन तथा वन्य जीवों संरक्षण के उपायों का उल्लेख करें?

उत्तर-वन संरक्षण के उपाय निम्नलिखित हैं-

- (1) बचे हुए वन क्षेत्रों का संरक्षण किया जाए।
- (2) वनों की कटाई को विवेकपूर्ण बनाया जाए।
- (3) बंजर तथा परती भूमि पर सघन वृक्षारोपण के कार्यक्रमों का संचालन किया जाए।
- (4) जनता में जागरूकता पैदा कर वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित किया जाए।
- (5) स्वयं सेवी संस्थाओं को प्रोत्साहित किया जाए।

वन्य जीवों के संरक्षण के उपाय निम्नलिखित हैं-

- 1) पशु-पक्षियों की सुरक्षा के लिए वन विहार राष्ट्रीय उद्यान तथा अन्य प्राकृतिक क्षेत्रों की स्थापना किया जाए।
- 2) वन क्षेत्रों में वन्य प्राणियों को उनके आवास के अनुकूल वातावरण उपलब्ध किया जाए।
- 3) लुप्त होती जा रही प्रजातियों के संवर्धन के लिए परियोजनायें बनायी जाए।
- 4) जानवरों के शिकार पर लगे प्रतिबंध का कड़ाई से पालन किया जाए।

7. जल संरक्षण एवं जल प्रबंधन के लिए क्या किया जाना चाहिए?

उत्तर-जल संरक्षण वर्तमान काल की एक महत्व पूर्ण आवश्यकता है। जो एक सुचारू प्रबंधन तंत्र के बिना संभव नहीं हैं। जल संरक्षण एवं जल प्रबंधन के लिए निम्न

उपाय किया जाना चाहिए-

- 1) जल को घरेलू बर्बादी से बचाना चाहिए।
- 2) सिंचाई जल को बर्बाद होने से रोकना चाहिए।
- 3) औद्योगिक बर्बादी में भी जल को बचाना चाहिए।
- 4) जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि करनी चाहिए।

8. वन्य जीवों के संरक्षण के उद्देश्य क्या हैं?

उत्तर-वन्य जीवों के संरक्षण के उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

- 1) वन प्राणियों के शिकार पर रोक लगाना।
- 2) पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना।
- 3) वनवासियों का आर्थिक एवं सामाजिक विकास।
- 4) उर्जा के परम्परागत स्रोतों का विकास।

9. वनों के महत्व का उल्लेख करें?

उत्तर-वन संरक्षण निम्नलिखित कारणों से आवश्यक है-

- 1) वन पर्यावरण सुरक्षा के साथ-साथ हमारी मूल-भूत आवश्यकताओं जैसे-आवास, निर्माण सामग्री, ईंधन, दुर्लभ औषधियों, खर तेल आदि की आपूर्ति करते हैं।
- 2) वन वातावरण में CO_2 तथा O_2 संतुलन बनाये रखते हैं।
- 3) जल चक्र के पूर्ण होने में वनों का महत्वपूर्ण योगदान है। वन वर्षा की मात्रा बढ़ाते हैं।
- 4) पेड़ों की जड़े मिट्टी के कणों को बाँध कर रखती है। अतः वन भूमि अपरदन को नियंत्रित करने में अपना योगदान होते हैं।

10. वनों के ह्रास के कारणों का उल्लेख करें?

उत्तर-शताब्दी से वन निरन्तर सिकुड़ते जा रहे हैं। आदिकाल से वनवासी अपने आवास निर्माण तथा ईंधन के लिए वनों पर निर्भर करते हैं। लेकिन उस समय जनसंख्या में इतनी वृद्धि नहीं थी। स्वतंत्रता के बाद जन संख्या में वृद्धि, शहरीकरण, औद्योगिकीकरण तथा विकास के कार्य में लकड़ी की मांग में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। जनसंख्या में वृद्धि के कारण खेती एवं मकान के लिए अधिक जमीन वनों की कटाई करके ही प्राप्त की जाती है। जलावन के व्यापक उपयोग के कारण वन काटे जा रहे हैं। खनन कार्य तथा बाँधों के निर्माण से वनों को नुकसान पहुँचाया जा रहा है।

हमारे देश में अन्य कारणों से भी जंगलों का सफाया किया जा रहा है-वन विभाग की राजस्व वसूलने की नीति, अवैधानिक रूप से जंगलों की पेड़ों की कटाई

और कागज की बढ़ती मांग।

11. बाँध क्यों बनाये जाते हैं? इसके लाभ तथा हानि का वर्णन करें?

उत्तर-बाँध प्रायः जल संग्रहण के लिए बनाये जाते हैं-

इसके होने वाले लाभ निम्नलिखित हैं-

- 1) इसका उपयोग सिंचाई तथा विद्युत उत्पादन के लिए किया जाता है।
- 2) इनसे निकलने वाली नहरें जल की बड़ी मात्रा को दूरस्थ स्थानों तक ले जाती है। अतः बाँध एक बड़े क्षेत्र में कृषि को उन्नत बना सकता है।
- 3) बाँध विद्युत उत्पादन के नवीकरणीय संसाधन हैं। जल विद्युत उत्पादन से सीमित मात्रा में उपलब्ध कोयले की बचत होती है।
- 4) बाँध महानगरों में पेयजल की आपूर्ति करते हैं।

हानि-

- 1) जल स्रोत के निकट रहने वाले लोग अच्छी फसल उगा सकते हैं। दूरी के लोगों को इसका लाभ नहीं मिलता। अतः जल का वितरण सम और न्यायपूर्ण नहीं होता।
- 2) बाँध के निर्माण में बड़ी संख्या में लोग विस्थापित होते हैं।
- 3) बाँध के निर्माण में बड़े स्तर पर वनों का विनाश होता है। इससे जैव विविधता नष्ट होती है।
- 4) भूकम्प आदि की स्थिति में बाँध टूटने से जान-माल की भारी क्षति हो सकती है।

12. बाँध निर्माण से उत्पन्न पर्यावरणीय समस्याओं का उल्लेख करें?

उत्तर-बाँध निर्माण से उत्पन्न पर्यावरणीय समस्याएँ निम्नलिखित हैं-

- 1) **पुनर्वास की समस्या-**बाँधों के निर्माण के कारण पुनर्वास की समस्या उत्पन्न हो गयी है।
- 2) **सुरक्षा की समस्या-**बाँधों के निर्माण के कारण भूकम्प की स्थिति पैदा हो गयी है। जिससे सुरक्षा की समस्या उत्पन्न हो गयी है।
- 3) **सरदार सरोवर बाँध परियोजना-**इस परियोजना से पर्यावरण विदो को विरोध का सामना करना पड़ा है।
- 4) **जल संचयन की समस्या-**जनसंख्या वृद्धि तथा औद्योगिकीकरण के कारण धरातलीय तथा भूमिगत जल भंडारों के जल में कमी आयी है। जिससे अधिकांश बड़े शहरों में जल आपूर्ति की समस्या दिनों दिन गंभीर होती जा रही है।